CIK-02/DFJK-04

June - Examination 2026

कर्मकाण्ड में प्रमाण में प्रमाण–पत्र

Certificate in Karmkand Examination

ग्रह शान्ति प्रकरण

Paper : CIK-02/DFJK-04

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **100***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) आकृतिभेद से कुण्डों के प्रकार बताइए।

(ii) मण्डन निर्माण से पूर्व सर्वप्रथम क्या करना चाहिए?

(iii) नवग्रहों के नाम लिखिए।

(iv) सर्वतोभद्रमण्डल का निर्माण किस दिशा में करना चाहिए?

(v) पंचामृत के घटकों के नाम लिखिए।

(vi) पंचगव्यों के नाम लिखिए।

(vii) पंचदेवों के नाम लिखिए।

(viii) षोडश मातृकाओं के नाम लिखिए।

(ix) सप्त वसोर्धारा के नाम लिखिए।

(x) भद्रा में किस देवता के पूजन का विशेष महत्व है?

खण्ड–'ब' 4×10=40

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का है।

2. किसी भी एक कुण्ड का सांघोपांग वर्णन कीजिए।

3. नवग्रह मण्डल का वर्णन कीजिए।

4. भूतापसारण की विधि बताइए।

5. गणपत्यथर्वशीर्ष का परिचय दीजिए।

6. पण्याहवाचन का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7. आयुष्य मन्त्रों का उल्लेख कीजिए।

8. नान्दी श्राद्ध की विवेचना कीजिए।

9. नवग्रहों के स्थापन की विधि लिखिए।

खण्ड–'स' 2×20=40

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

10. नवग्रह पूजन में नव ग्रहों के आवाहन मन्त्रों का वर्णन कीजिए।

11. मण्डल विधान का वर्णन कीजिए।

12. वास्तु पूजन का वर्णन कीजिए।

13. श्राद्ध विधि का वर्णन कीजिए।
